

ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

माया-मुक्त ब्राह्मण जीवन के लिए

परमात्म इशारे

किसी भी problem को बड़ा करना है, तो पकड़ लो ...
और
अगर उसको हल्का करना है, छोटा करना है, तो छोड़ दो ।

पकड़ना अर्थात् सोच-सोच कर भारी होना ।
छोड़ देना, अर्थात् जो हम कर सकते हैं,
अपने best efforts देकर,
परमात्मा को समर्पण कर देना ।



Peace of Mind

CH. 1221



CH. 1087



CH. 1065

TATA PLAY

CH. 678



CH. 496





"आत्म-घाती महापापी न बनकर डबल अहिंसक बनने की युक्तियाँ"

डबल अहिंसक अर्थात् अपवित्रता अर्थात् 'काम महाशत्रु' स्वप्न में भी वार न करें। सदा भाई-भाई की स्मृति सहज और स्वतः अर्थात् स्मृति स्वरूप में हो। ऐसे डबल अहिंसक, आत्मघात का महापाप भी नहीं करते। आत्मघात अर्थात् अपने सम्पूर्ण सतोप्रधान स्टेज से नीचे गिर कर अपना घात नहीं करते। ऊंचाई से नीचे गिरना ही घात है। आत्मा के असली गुण-स्वरूप और शक्ति-स्वरूप स्थिति से नीचे आना अर्थात् विस्मृत होना यह भी पाप के खाते में जमा होता है। इसलिये कहा जाता है आत्मघाती महापापी। साथ-साथ अहिंसक आत्मा कभी खून नहीं करती। खून करना अर्थात् हिंसा करना। तो आप में से कोई खून करते हैं? जो बाप द्वारा दिव्य-बुद्धि व दिव्य-विवेक व ईश्वरीय-विवेक मिला है वह माया वश, परमत वश, कुसंग वश, या परिस्थिति के वश अगर ईश्वरीय विवेक को दबाते हो, तो समझो कि ईश्वरीय विवेक का खून करते हो, या दिव्य-बुद्धि का खून करते हो।

Avyakt Murli - 15-10-75



BRAHMA KUMARIS
Education Wing, Mount Abu



/AvyaktMurliEssence

SAMARPAN



अपने में चेक करो कि क्या किसी भी प्रकार का लगाव है? चाहे वह संकल्प के रूप में लगाव हो, चाहे सम्बन्ध के रूप में, चाहे सम्पर्क के रूप में और चाहे अपनी कोई विशेषता की ही तरफ हो। अगर अपनी कोई भी विशेषता में भी लगाव है तो वह भी लगाव बन्धन-युक्त कर देगा और वह बन्धन-मुक्त नहीं करेगा क्योंकि लगाव अशरीरी बनने नहीं देगा और वह विश्वकल्याणकारी भी बन नहीं सकेगा। जो अपने ही लगाव में फँसा हुआ है वह विश्व को मुक्ति व जीवनमुक्ति का वर्सा दिला ही कैसे सकता है? लगाव वाला कभी सर्व-शक्ति सम्पन्न हो नहीं सकता, लगाव वाला धर्मराज की सजाओं से सम्पूर्ण मुक्त सलाम देने वाला नहीं बन सकता। लगाव वाले को सलाम भरना ही पड़ेगा और लगाव वाले सम्पूर्ण फर्स्ट जन्म का राज्य भाग्य पा न सके। इसी प्रकार पुराने स्वभाव वाले नये जीवन, नये युग का सम्पूर्ण और सदा अनुभव नहीं कर पाते। हर आत्मा में भाई-भाई का भाव न रखने से स्वभाव एक विघ्न बन जाता है। विस्तार को तो स्वयं भी जानते हो। लेकिन अभी क्या करना है? विस्तार को जीवन में समा कर बाप-समान बन जाना है। न कोई पुराना स्वभाव हो और न कोई लगाव हो। जबकि तन, मन और धन सभी बाप को समर्पण कर दिया, तो देने के बाद फिर मेरा विचार, मेरी समझ और मेरा स्वभाव यह शब्द ही कहाँ से आया? क्या मेरा अभी तक है या मेरा सो तेरा हो गया? जब कहा- 'मेरा सो तेरा' -तो मेरा मन समाप्त हो गया ना? मन और तन बाप की अमानत है। आपकी तो नहीं है न? 'मेरा मन चंचल है'-यह कहना कहाँ से आया? क्या अभी तक मेरा-पन नहीं छूटा? मेरा-पन किसमें होता है? बन्दर में, वह खुद मर जायेगा लेकिन उसका मेरा-पन नहीं मरेगा। इसलिये चित्रकारों ने महावीर को भी पूँछ की निशानी दे दी है। हैं महावीर लेकिन पूँछ ज़रूर है। तो यह पूँछ कौन-सी है? लगाव और स्वभाव की। जब तक इस पूँछ को आग नहीं लगाई है, तब तक लंका को आग नहीं लग सकती। तो विनाश की वार्निंग की सहज निशानी कौन-सी हुई? इसी पूँछ की आग लगानी है। जब सभी महावीरों की लगन की आग लग जायेगी तो क्या यह पुराना विश्व रहेगा? इसलिये अब सभी प्रकार के लगाव और स्वभाव को समाप्त

करो।--15-07-1973

Vidhi Se Siddhi



श्रेष्ठ प्रेरणा



**क्षमा करना दुर्बलता नहीं है
बल्कि यह तो शक्तिशाली होने
का एक प्रमाण है... क्योंकि क्षमा
वही कर सकता है जो
शक्तिशाली है...।**



Download App - Learn Rajyoga Meditation





**भगवान की महिमा तो
आत्मायें गाती हैं
लेकिन आप बच्चों की
महिमा स्वयं भगवान
बाप करते हैं।**



यदि हम सरल चित्त जीवन
जीने की कला सीख जाये...
तो जीवन के अनेक विघ्न स्वतः
ही खत्म हो जायेगे...। जो सरल
चित्त होते हैं... उनके विघ्न भी
सरल होकर नष्ट हो जाते हैं...।

“आपने मेरा अपमान किया, मुझे दुःख दिया...”

हम अपेक्षा रखते हैं,
वह माफी मांगें और वह बदलें।
यह हो भी सकता है और नहीं भी।

लेकिन एक चीज़ ज़रूर हो सकती है,
हम खुद से अच्छी बातें करें।

“उनका व्यवहार ... उनके संस्कार हैं,
उसका मुझ पर कोई असर नहीं पड़ता”





Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR
www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website:
www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net
and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW

www.IshvariyaKhajana.BKhq.org